लोक कार्यों/अनुबंधों पर निर्देशिका

- मनोज कुमार, सीवीओ, केओपीटी

स्रोत

- सीवीसी परिपत्र

- प्रबंध प्रणाली में सुधार के लिए सामान्य अनियमितताएं/स्टोर में व्याप्त कमियां/क्रय अनुबंध और मार्गनिर्देशन-सीवीसी

- निर्माण में भ्रष्टाचार के समस्याओं के क्षेत्र- सीवीसी

- इलैक्ट्रिकल, मैकेनिकल और संबंधित अनुबंधों को सौंपे जाने और इनके कार्यान्वयन में सामान्य अनियमितताएं/व्याप्त कमियां और उनमें सुधार के लिए मार्गदर्शन-सीवीसी

- कार्य/अनुबंधों में विस्तृत जांच के दौरान पाई गई सामान्य प्रकृति की कमियां-सीवीसी

- कार्यों के प्रबंध के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं पर पुस्तिका-एमओएफ

- जीआरएफ अध्याय 5 से 8

लोक कार्यों/अनुबंधों के संकेत शब्द

- गुणवत्ता कार्य

- प्रतिस्पर्धी मूल्य-धन का पूरा मूल्य

- सही समय पर-कोई समय/लागत नहीं

• उचित और पारदर्शी बनाने की प्रक्रिया
कार्यों/अनुबंधों के चरण

• पूर्व-निविदा चरण-परियोजना की प्रकृति, परामर्शदाता की नियुक्ति, दरों का अनुमान, तकनीकी अनुमोदन, प्रशासनिक स्वीकृतियां, व्यय अनुमोदन।

• निविदा स्तर-एनआईटी, निविदाओं को आमंत्रण और खुलना, पूर्व योग्यता, मूल्यांकन और सौंपा जाना।

• कार्यान्वयन स्तर-निविदाओं की स्थितियों, गुणवत्ता नियंत्रण, अनुबंध के बाद नियंत्रण लागू करना।

परियोजना की प्रकृति

• आवश्यकता और संभाव्यता का मूल्यांकन, मौजूदा सुविधाओं/उपलब्ध विकल्पों के मूल्यांकन के बिना कोई नया कार्य नहीं।

• पे बैक अवधि, रियायती नकद प्रवाह, एनपीवी, आईआरआर, तकनीकी और बाजार मूल्यांकन आदि आधुनिक तकनीकें।

• उपकरणों/स्पेयरों की विचाराधीन औसत जीवन।

• उच्च अधिकरणों से अनुमोदन से बचने के लिए स्लिट किए जाने वाली निविदाएं।

• वास्तविक इच्छित प्रयोग, प्रतिफल की दर आदि के आधार पर निर्णित उपकरणों की एक बार खरीद।

• नवीनतम विनिर्देशन और प्रौद्योगिकी।

परामर्शदाता की नियुक्ति

- सूत्रबद्ध किए जाने वाले निर्देश
- जब विशिष्ट कार्यों के लिए केवल अनिवार्य हों
- प्रतिस्पर्धी निविदा प्रणाली
- कार्य की प्रकृति और वर्णित की जाने वाली भूमिका
- निर्णयाधिकार उन्हें न दिया जाना
- निर्धारित सेवा के लिए पैनल उपवाक्य।
- जीआरएफ 168-175 – कार्य<25 लाख, संभावित परामर्शदाताओं की सूची।
- >25 लाख, दो चरणीय प्रक्रिया-अभिरूचि की अभिव्यक्ति-शार्टलिस्ट, संदर्भ की शर्तें, प्रस्ताव के लिए अनुरोध।
- ओएम नं ओएफएफ1 सीटीई1 दिनांक 25.11.02

दरों के अनुमान और तकनीकी अनुमोदन

- वास्तविक आधार और उद्देश्यों के आधार पर कार्यान्वित हो।
- गैर अनुसूचित मदों के लिए एसओआर पर अनुमान-दरों का विधिवत् मूल्यांकन, मानक विनिर्देशनों के साथ उत्पादों को वरीयता।
- आधार-बाजार मूल्य का प्रादुर्भाव, अंतिम क्रय मूल्य, कच्चे माल/श्रम/उपकरणों के लिए आर्थिक स्थिति, अन्य आदानों के मूल्य, आईईईएमए सूत्र, अंतर्भूत मूल्य, सामान्य निविदा की प्राप्त दर आदि।
- मदें-इसमें मौलिक मूल्य, फैब्रिकेशन प्रभार, निरीक्षण शुल्क, ड्यूटी, पैकिंग, हैंडलिंग, यातायात शुल्क, वैट, ढुलाई, संस्थापन, इरेक्शन, कमिशनिंग प्रभार, लाइसेंस शुल्क, आकस्मिक व्यय।
- तकनीकी अनुमोदन का लक्ष्य-प्रस्ताव ढांचागत रूप से सही है और अनुमान भी किफायती है।

प्रशासनिक अनुमोदन

• प्रत्येक कार्य (छोटे-मोटे कामों, मरम्मतों को छोड़कर), प्रशासनिक विभाग के सक्षम प्राधिकरण का सम्मिलन अनिवार्य हो।

• उद्देश्य-कार्य का संतुष्टिपूर्वक होना, वास्तविक अनुमान, विभिन्न प्रावधानों के यार्डस्टिक का अनुपालन ।

निविदा के प्रकार

• खुली-जीएफआर/एमओएफ-5 लाख से ऊपर के लिए अनिवार्य
• सीमित-छोटे मूल्य, शीघ्र और पुनरावृत्ति-पारदर्शी रूप में वैंडरों के पैनलों से समय-समय पर संशोधित किए जाने हैं।
• एकल निविदा इंक्वायरी।
• नामांकन आधार पर निविदा-एससी ने संविधान के उपवाक्य 14 के अनुसार इसे उल्लंघन बताया, पुनर्विचार के लिए मंडल के समक्ष रखा, अंकेक्षण समिति को 10 प्रतिशत मामलों की जांच करनी है (कार्यालय आदेश 23.07.07 दिनांक 05.07.07)
• एससी रोक-प्राकृतिक आपदा, सरकार द्वारा घोषित आपात स्थितियां, एकल स्रोत, विभिन्न अवसरों पर बुलाई गई निविदा, परंतु कोई बोली या न्यायी बोली नहीं।
• फास्ट ट्रैक प्रक्रिया, निर्धारित आपातकालीन कार्यों के लिए।

प्रचार

• विज्ञापित/खुली निविदा-आईटीजे और राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशन, पंजीकृत/पूर्व/सप्लायरों को प्रतियां भेजना।
• वैश्विक निविदा-माल के आयात की स्थिति में, ऐसे व्यापारों में शामिल बड़े व्यवसायिक देशों के भारतीय मिशन्स/दूतावासों में प्रतियां।
• निर्माण के लिए-भवन संस्थाओं के लिए प्रतियां।

• समय-विज्ञाप्ति निविदा के लिए 4 से 6 सप्ताह, 3-4 सप्ताह सीमित निविदा के लिए।
• वेबसाइट पर डाले जाने के लिए।

निविदाएं/बोली दस्तावेज

• शर्तों के साथ मानक निविदा प्रपत्र, बीओक्यू, रेखांकन का समूह, कार्यों के विनिर्देशन
• धरोहर राशि, पूर्णता अवधि, भुगतान शर्तों, प्रदर्शन/वारंटी बीजी, प्री-डिस्पैच निरीक्षण, व्यापक बीमा कवर, ठेकेदारों की देयताएं, सुरक्षा व्यवस्था, श्रम कल्याण, न्यायिक प्रबंध, तरलीकर्ता क्षतिग्रस्तता, जोखित क्रय, मूल्यांकन/निरस्तारीकरण मापदंड, गुणवत्ता मानक आदि शामिल किए जाने चाहिए
• धरोहर राशि दो बोली प्रणाली में-तय उचित राशि, अनुमानित मूल्य के आधार पर

राशि-एमओएफ पुस्तिका

• धरोहर राशि-25 करोड़ तक की परियोजनाओं में 2 प्रतिशत, 25 करोड़ की राशि से ऊपर के कार्यों के लिए 50 लाख + कार्य का 1 प्रतिशत
• प्रदर्शन गारंटी-अनुबंध मूल्य का 5 प्रतिशत (जीएफआर-5.10 प्रतिशत)
• जमानत जमा-अनुबंध मूल्य का 5 प्रतिशत (जीएफआर-2.5 प्रतिशत)
• बोनस-अनुबंध मूल्य का 1 प्रतिशत पीएम, अनुबंध मूल्य के 5 प्रतिशत तक अधिकतम के अधीन।
• एलडी-10 लाख तक की मरम्मत-1 प्रतिशत प्रति सप्ताह
• एलडी-अन्य-0.5 प्रतिशत प्रति सप्ताह अनुबंध मूल्य के अधिकतम 10 प्रतिशत के अधीन।

बोली दस्तावेज

• मदों के आरक्षण पर सरकार की नीति को समामेलित किया जाना चाहिए। 31.03.08 के बाद सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम को कोई क्रय वरीयता नहीं।

• वरीयता मानकों और तकनीकी मूल्यांकन मापदंडों सहित विस्तृत सामान्य तकनीकी विनिर्देशन। विशिष्ट ब्रांड से परहेज कर, बीआईएस मार्क उल्लिखित किया जा सकता है। बड़े उपकरणों के वरीयता मेक्स की सूची दी जा सकती है।

• शर्तों पर आधारित किसी भी छूट पर विचार नहीं किया जाएगा।

• मूल्य अंतर-एमओएफ-18 माह तक कोई अंतर नहीं, 18 माह के बाद पीओएल/श्रम/सीलिंग के साथ सामग्री तक सूत्रीबद्ध।

पूर्व योग्यता

• पीक्यू मापदंड ना ही तो ज्यादा कठोर हो और ना ही लचीली

• पीक्यू मापदंड आवश्यकता के अनुसार हो

• मूल्यांकन मानक पीक्यू दस्तावेज में वर्णित होनी चाहिए

• पीक्यू साक्ष्यों का सत्यापन किया जाना चाहिए

• निजी संस्थानों से प्राप्त अनुभव प्रमाण पत्र टीडीएस प्रमाणों के साथ सत्यापित किए जाने चाहिए।

• पीक्यू मापदंडों की अनिवार्यता में छूट होने पर पुन-निर्विदा

• पीक्यू 12.02.1-सीटीई-6, दिनांक 17.12.02

निविदा प्रणाली

• उद्योग जगत के सामान्य नियमों के अनुसार विनिर्देशनों के पर्याप्त रूप में वर्णित होने पर एकल बोली प्रणाली, प्रावधान की जाने वाली मद मानक उपकरणों की डिजाइन की गई हो।

• मोलभाव-दो बोली प्रणाली में तकनीकी वाणिज्यिक मोलभाव अंतर को स्पष्ट करने के लिए किया जाना चाहिए। एक आम मंच पर स्वीकार्य होने पर सभी वाणिज्यिक शर्तें और तकनीकी विनिर्देशनों को निर्धारण हो जाना चाहिए। नियमों/शर्तों/विनिर्देशनों में परिवर्तन होने की स्थिति में निविदादाताओं को पुनः निविदा का अवसर दिया जाना चाहिए।

• संशोधित निविदा-योग्यता मानदंडों को पूरा करने वाली निविदा फर्मों को पहले अंतिम रूप दिया जा सकता है या उनके साथ तकनीकी मोलभाव किया जा सकता है। योग्यता पूरा करने वाले निविदादाताओं से संशोधित मूल्य निविदा नहीं ली जानी चाहिए। निरस्तीकरण के लिए बिना खुली मूल्य निविदाओं पहले सूचित किया जाना चाहिए।

पूर्व निविदा बैठक

• प्रस्तावित बोलीदाताओं को जमा कराए जाने से पूर्व स्पष्टीकरणों पर समय सीमा से पहले तुरंत प्रत्युत्तर दिया जाना चाहिए।
• समय सीमा से पहले किसी भी समय निविदा दस्तावेजों को संशोधन द्वारा परिवर्तित किया जा सकता है।
• निविदा के प्रावधानों को स्पष्ट करने के लिए बोली पूर्व बैठक हो। नियमों के संशोधन की यदि आवश्यकता पड़े। मिनट समझौते के अंग बनें।
• बैठक के मिनट को तुरंत जारी किया जाए।
• निविदा जमा कराए जाने के लिए समय सीमा को उनकी निविदाओं के खातों में स्पष्टीकरण लेने के लिए ठेकेदारों द्वारा वहन किए जाने के लिए आगे बढ़ा दिया जाना चाहिए।

निविदा का आमंत्रण और खुलना

- निविदा बिक्री और खोलने के लिए रजिस्टर बनाए जाने चाहिए
- निविदा के नियम व शर्तों, विनिर्देशनों, खुलने की तिथि आदि में कोई परिवर्तन को सभी निविदादाताओं को अग्रिम में समाचार पत्र और वेबसाइट द्वारा प्रचारित किया जाना चाहिए।
- निविदाओं को निविदादाताओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला जाना चाहिए
- त्रुटि, कमी, ओवर राइटिंग आदि को सत्यापित कर अंकांकित किया जाना चाहिए।
- आन द स्पाट सारांश दिया जाए।
- मूल्य बोली को सरकारी अधिकारी और 2 प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए और हस्ताक्षर कर एक बड़े बाक्स/लिफाफे में रखा जाना चाहिए।

निविदा का मूल्यांकन

- तकनीकी मूल्यांकन के बाद कोई ग्रेडिंग नहीं
- भारतीय एजेंट-कोट किए गए मूल्य की वास्तविकता, एजेंट द्वारा सेवा की प्रकृति, कर अनुपालन, विदेशी विनिमय लीकेज पर विचार किया जाना चाहिए।
- निविदाओं की शर्तों को मूल्य निविदाओं के बाद संशोधित नहीं किया जाना चाहिए।
- मूल्य की उपयुक्तता अनुमान, बाजार मूल्य (बाजार दर संतुष्टि विवरण), अंतिम क्रय मूल्य, आदान/श्रम मूल्यों, उपयुक्त मूल्य, समान/समान प्रकृति के कार्य के लिए कोट की गई दर आदि के आधार पर अनुबंध के सौंपे जाने से पहले निर्धारित कर ली जानी चाहिए- संतोषजनक विवरण।

- एएचआर और एएलआर मदों की पहचान कर और उनमें नियंत्रण कार्यकलाप कार्यान्वित किया जाना चाहिए।
- एकल निविदा-विस्तृत संतोष, सक्षम प्राधिकरण का अनुमोदन और वित्त।

एल-1 के साथ मोलभाव

(परिपत्र 4/3/07 दिनांक 03.03.07)

- एल-1 के साथ कोई मोलभाव नहीं
- अतिरिक्तता-स्वामित्व मदें, सीमित स्रोतों की आपूर्ति वाली मदें, संघ के निर्माण की संदिग्धता।
- मोलभावों को रिकार्ड किए जाने के कारण
- समय सीमा-1 माह, 15 दिन प्रत्येक उच्च स्तर के लिए निविदा अवधि में ही।
- यदि पुनर्निविदा होती है तो मोलभाव के बाद एल-1 के साथ न्यूनतम मात्रा।
- स्प्लिट अनुपात को निविदा में निर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

जीएफआर-160-पारदर्शिता

- निविदा दस्तावेजों को स्व संतुष्टि और व्यापक रूप में होना चाहिए।
- निविदा शर्त, निविदा प्रक्रिया और निरस्तीकरण पर उठे प्रश्नों के लिए निविदादाताओं के प्रावधान।
- मतभेद के निपटान के लिए प्रावधान
- विनिर्देशन सुस्पष्ट होने चाहिए।
- पूर्व निविदा बैठक
- उत्तरदायित्व के मानदंड को स्पष्ट रूप से वर्णित किया गया हो।
- केवल निर्धारित शर्तानुसार मूल्यांकन।

- निविदा प्राप्ति की समय सीमा के बाद निविदादाताओं को निविदाओं में संशोधन की अनुमति नहीं होगी।
- सफल निविदादाताओं के नाम नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाने चाहिए।

अग्रिम और बीजी

(परिपत्र 10/4/07 दिनांक 01.4.07)

- वित्त के अनुमोदन के साथ मंडल द्वारा निर्णय लिया जाना है।
- ब्याज मुक्त अग्रिम-सीवीसी द्वारा प्रोत्साहित नहीं।
- यदि अग्रिम पर विचार अनिवार्य है, तो इसे निविदा में वर्णित किया जाना जरूरी है।
- रिकवरी समय आधारित और कार्य की प्रगति से लिंक नहीं।
- बीजी रिकवरी किश्तों के अनुसार।
- देरी से होने वाली रिकवरी पर ब्याज, यूसी लिया जाना चाहिए।
- बीजी को बैंक द्वारा सत्यापित किया जाए।
- प्रतिभूतित अग्रिम-कार्य में प्रयुक्त मदों के लिए तुरंत बिलों के साथ समायोजित होने वाली सामग्री के 75 प्रतिशत तक
- मोबाइलाइजेशन अग्रिम-अनुमानित के 10 प्रतिशत, ब्याज के साथ
- संयंत्र, मशीनरी अग्रिम-मूल्य ह्रास राशि का 50 प्रतिशत, ब्याज के साथ

कार्यान्वयन चरण

- समझौता
- अनुबंध प्रावधानों-बीमा, तकनीकी व्यक्तियों, लाइसेंस आदि की तैनाती का लागूकरण।

- कार्य/निरीक्षण की गुणवत्ता-वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा छिपी और उच्च दर मदों सहित जांच मानक-निरीक्षण टिप्पणी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा।
- साइट रिकार्ड-मदों, छिपी मदों आदि के जारी करने के लिए टेस्ट रिकार्ड, साइट निर्देश और अनुपालकों, एमएएस खाता रजिस्टर।
- समय और लागत ओवररन-कार्यकलापों की पूर्णता अनुसूची अग्रिम में ली जानी चाहिए और प्रगति को अनुसूची के अनुसार नियंत्रण में रखा जाए।
- रिपोर्ट-प्रशासनिक अनुमोदन देने वाले अधिकरण को कार्य की प्रगति के बारे में सूचित किया जाना चाहिए।
- समय पर भुगतान-पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर।

नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन

- गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
- प्रारंभ से पहले नियंत्रण प्रणाली तैयारी की जानी चाहिए।

तिमाही/मासिक नियंत्रण।

- बड़ी परियोजनाएं-ठेकेदार द्वारा मासिक प्रगति रिपोर्ट, निर्माण अनुसूची, प्रगति चार्ट, संयंत्र और मशीनरी विवरण, मैनपावर विवरण, वित्त विवरण, अतिरिक्त और वैकल्पिक मदों का विवरण, प्रगति की फोटो, गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षाएं, होल्ड अप्स आदि सहित।
- कमिशनिंग और दस्तावेजीयकरण।

अनुबंध प्रबंधन

- वारंटी अवधि तक प्रदर्शन बीजी
- संस्थापन/कमिशनिंग की तिथि से गारंटी/वारंटी/डीएल।
- वित्तीय तात्पर्यों के साथ सभी अंतरों/छूटों के सभी पदों को विभिन्न रूप से हतोत्साहित करना चाहिए।

- बीमा, कर्मचारी क्षतिपूर्ति, श्रमिक लाइसेंस, ईएसआईसी के उपवाक्य को विधिवत् तरीके से लागू किया जाना चाहिए।
- सप्लायरों के खातों पर बोनाफाइड विस्तार एल/सी विस्तार प्रभारों लगने तक देरी से पूर्ण करने के लिए लिक्विडेशन क्षतिग्रस्त।
- अनुबंध की पूर्णता में अनुबंध के सभी कार्य की पूर्णता शामिल होनी चाहिए।

धन्यवाद